बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था
सत्संग शिक्षण परीक्षा

सत्संग प्रवीण : प्रश्नपत्र - २

दोपहर २:०० से ५:००] (रविवार, १६ फरवरी, २००३) **कुल अंक : १००**

सूचना : प्रश्न की दाहिनी तरफ उसके अंक दर्शाए गए हैं।

(विभाग - १ : किशोर सत्संग प्रवीण)

प्र. १. निम्नलिखित विधान कौन, किसे और कब कहता है यह लिखिए । ६

१. ''मेरा बिछौना खिंचा जाता है ।''
२. ''मैं त्यागी होने के लिए गढडा जा रहा हूँ ।''
३. ''तेरा हाथ दिखा दे ।''

प्र. २. निम्नलिखित प्रसंगो में से किन्हीं दो प्रसंग को कारण सहित समजाइए। (बारह पंक्ति में) ६

१. बनिया ने महाराज की क्षमा माँगी ।
२. कृपानंद स्वामी के मंडल में सब को यूँ ही नियम धर्म की दृढता रहती है ।
३. रामबाई ने चरणामृत कुँए में डाला ।
४. श्रीजीमहाराज गढडा के जीवाखाचर को धाम में ले गए ।

प्र. ३. निम्नलिखित विषय पर मुद्दानुसार टिप्पणी लिखें। (बारह पंक्तियों में) ८

१. भक्तचिंतामणि । **अथवा** *श्रीहरिलीलामृत ।*
२. स्वयंप्रकाशानंद । **अथवा** *उकाखाचर ।*

प्र. ४. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए। ६

१. अन्न और द्रव्य की शुद्धि कब होती है ?
२. वारणा गाँव में संकटभंजन हनुमानजी की मूर्ति किसने स्थापित की ?
३. वचनामृत गढडा मध्य-५१ में महाराज ने आज्ञापालन की क्या महिमा कही है ।
४. शास्त्रीजी महाराज मगनभाई के लिए क्या कहते थे ?
५. भगवदीय तीर्थ अर्थात् क्या ?
६. ध्यान का मूल क्या है ?

प्र. ५. निम्नलिखित 'स्वामी की बातें' पूर्ण करके विवरण लिखे । ५

दु:ख मानना नहीं .....

अथवा

निम्नलिखित वचनामृत का निरूपण करें।

गढ़डा प्रथम प्रकरण का २२ वां .....

प्र. ६. निम्नलिखित वाक्यों में से केवल पाँच सही वाक्य को ढूँढ़कर सिर्फ उसके नंबर लिखे। ५

प्रसंग : जेठा मेर

१. श्रीहरि ने जेठा मेर को सारी रात उपदेश की बातें की । २. जेठा मेर छेडा वर्तमान का पालन करते थे । ३. जेठा मेर मढडा के रहनेवाले थे । ४. महाराज ने जेठा मेर को कहा, ''तुम्हें संसार का बंधन नहीं हो ।''। ५. उनके ब्रह्मचर्य का फल देने के लिए महाराज उनके घर गए । ६. महाराज ने कहा, ''जेठा मेर ! तुम हमारी जाति के हो ।'' ७. महाराज ने जेठा मेर को दीक्षा देकर सर्वज्ञानंद नाम दिया । ८. जेठा मेर कृतयुग से ब्रह्मचर्यव्रत का पालन करते थे । ९. श्रीहरिने उनको ब्रह्मचर्यव्रत का नियमित पालन करने को कहा । १०. ब्रह्मा ने जेठा मेर को कहा, ''तुमको जन्म देनेवाले माता-पिता को धन्य है ।''

प्र. ७. (अ) निम्नलिखित पंक्तियों में से किन्हीं दो पंक्ति को पूर्ण कीजिए । ४

१. स्वामिनारायण नामने ..... तत्काल जाशे ।
२. व्हाला तारी मूरति ..... नव पीए रे लोल ।
३. वळी तमारा विषे ..... अलौकिक ख्याल ।

(ब) निम्नलिखित विकल्पों में से किन्हीं दो के विकल्प पूर्ण कीजिए । ४

१. जनमंगल नामावलि में से रिक्त नाम पूर्ण करे ।
जितेन्द्रियाय नम: ..... परमहंसाय नम:।
२. श्रीवासुदेव ..... शरणं प्रपद्ये ॥
३. गालिदानं ताडनं ..... हितं च तै: ॥

(विभाग - २ : गुणातीतानन्द स्वामी)

प्र. ८. निम्नलिखित विधान कौन, किसे और कब कहता है यह लिखिए । ६

१. ''अभी तो धाम आपके आगे ही खडा है ।''
२. ''मेरा कहा तो एक जोगी ही बदल सकते हैं ।''
३. ''आप इस प्रकार व्यवहार करते हो तो हमारा क्या होगा ?''
४. ''आपकी गाडी के साथ जो बैल जोड दिए गए हैं उसके उपर घूँसरी रख नहीं सकते ।''

प्र. ९. निम्नलिखित विकल्पों में से किन्हीं दो विकल्प को कारण सहित समझाइए। (दस पंक्ति में) ६

१. सूरत में मुकाम दरमियान गुणातीतानंद स्वामी को हररोज़ भीक्षा माँगने जाना पड़ता था ।
२. पीतांबरदास का परिवर्तन हुआ ।
३. वेदांती घबरा गए ।

प्र. १०. निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं दो विषय पर मुद्दासर नोंध लिखिए। (बारह पंक्ति में) ८

१. सद्‌गुरु कौन ?
२. अनादि के सेवक ।
३. नमकीले जीव को मीठा किया ।
४. रंक में से राय ।

प्र. ११. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए। ५

१. महाराज ने शेरडी के खेत में मूलजी भक्त को दर्शन देकर क्या कहा ?
२. गुणातीतानंद स्वामी जूनागढ कितने समय तक रहे ?
३. मूलजी भक्त का जन्म कहाँ और कब हुआ था ?
४. मावजीभाई ने गुणातीतानंद स्वामी को क्या जिमाया ?
५. जूनागढ मंदिर की प्रतिष्ठा के समय महाराज ने गोपालानंद स्वामी को क्या कहा ?

प्र. १२. निम्नलिखित प्रसंगों में से किन्हीं एक प्रसंग का वर्णन करके भावार्थ लिखिए। (बारह पंक्तियों में) ४

१. जीव की अवलाई ।
२. आज्ञाधारक ।
३. सूक्ष्म तप ।

प्र. १३. निम्नलिखित विधानों के विकल्पों में से सही विकल्प लिखें । ६

नोंध : एक विकल्प से ज्यादा (दो और तीन भी) विकल्प सही हो सकते हैं । सभी विकल्प सही होने पर ही गुण दिए जाएंगे । अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. पंचाला में गुणातीतानंद स्वामी को तिलक करके महाराज बोले :
(अ) मेरे जैसा कोई भगवान नहीं ।
(ब) यह हमारा तिलक ।
(क) तिलक अच्छी तरह से करना जानते हो ।
(ड) यह साधु जिस प्रकार तिलक करते हैं, उसी प्रकार तिलक करना सीखो ।

२. वासुदेवचरणदास को शांति हुई, क्यों कि
(अ) शेरडी के टुकड़े खाये ।
(ब) दादाखाचर के नलिया का ध्यान रखो ।
(क) चंपा का प्रसादी का फूल सूँघा ।
(ड) गार बनाने की सेवा की ।

३. गुणातीतानंद स्वामी संतों को उपदेश देते हुए कहते थे कि
(अ) कमीगढ के रया देसाई का समागम करना ।
(ब) हरिभक्त हमारी क्रिया से राजी हो जाय इस प्रकार का व्यवहार करना ।
(क) गुरु सोलह आनी का व्यवहार करे तो शिष्य एक आनी का व्यवहार करे ।
(ड) शिक्षापत्री के अनुसार दसवाँ-बीसवाँ हिस्सा हरिभक्त के पास लेना ।

(विभाग - ३ : 'सत्संग परिचय' परीक्षा की पुस्तकों पर आधारित)

प्र. १४. निम्नलिखित विषयों पर बीस पंक्ति में विस्तृत नोंध लिखिए । २१

१. गुरुवचन पर ही ध्यान । **अथवा** *जूनागढ में अपूर्व सन्मान ।*
२. दामोदरभाई । **अथवा** *परमचैतन्यानंद स्वामी ।*
३. समदर्शी । **अथवा** *यह कीचड़ नहीं लेकिन चंदन है ।*